झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद राँची (झारखंड)

प्रथम सावधिक परीक्षा (2021- 2022)

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र — सेट-3

कक्षा-10	विषय- हिंदी 'बी'	समय – 1 घंटा 30 मिनट	पूर्णांक-40

सामान्य निर्देश:-

- **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**
- **प्रश्नों की कुल संख्या 40 है ।**
- **प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित हैं ।**
- **प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प दिए गए हैं इनमें से एक सही विकल्प का चयन कीजिए ।**
- **गलत उत्तर के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएँगे ।**

खंड 'क' (अपठित बोध)

निर्देश:- निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न संख्या 1-5 तक के लिए सही विकल्प का चयन करें।

किसी जापानी दार्शनिक ने कहा था- हाथों की उँगलियों के सहारे एक दिन हम संसार पर विजय प्राप्त कर लेंगे । जापानवासियों ने आज इस कथन को सत्य करके दिखा दिया है । अमेरिका जैसा देश भी जापान से पिछड़ने लगा है । इसका कारण है- जापानियों की निरंतर कार्य करती हुई उँगलियाँ । उनकी उँगलियों में छिपा है सफलता पाने का मूलमंत्र- लगातार परिश्रम । परिश्रम के बल पर ही व्यक्ति हर इच्छित वस्तु पा सकता है । परिश्रम के बल पर ही व्यक्ति विकास की ऊँचाई पर पहुँच सकता है । परिश्रम का कोई विकल्प नहीं । इसके सामने कोई जोड़-तोड़ नहीं चल सकता । यदि हम अपने आस-पास देखें तो पाएँगे कि बहुत सामान्य से दिखाई देने वाले व्यक्तियों ने परिश्रम करते हुए कुछ ही वर्षों में सब कुछ पा लिया । जो लोग परिश्रम करते हैं, वे कभी भी साधनों की कमी का रोना नहीं रोया करते । वे लगातार परिश्रम करके सभी प्रकार के साधन स्वयं प्राप्त कर लिया करते हैं । इसके विपरीत जो व्यक्ति परिश्रम नहीं करना चाहते, वे हरदम किसी-न-किसी समस्या का रोना रोते हुए अपनी विफलताओं के लिए भाग्य को उत्तरदायी ठहराते हैं ।

01. जापानवासियों ने इस कथन को सत्य करके दिखा दिया है कि एक दिन वे :-

A. किसी देश से पीछे नहीं रहेंगे

B. हाथों की उँगलियों के सहारे संसार पर विजय प्राप्त कर लेंगे

C. अपनी पराजय को विजय में बदल देंगे

D. परिश्रम से नहीं डरेंगे

02. जापानियों की निरंतर कार्य करती हुई उँगलियों में छिपा है सफलता पाने का मूल मंत्र - जिसे कहा जाता है

A. लगातार आराम B. लगातार चलते रहना

C. लगातार परिश्रम D. बिलकुल भी न घबराना

03. लेखक के अनुसार ___________का कोई विकल्प नहीं है ।

A. ईमानदारी का B. सत्य का C. सम्मान का D. परिश्रम का

04. वे व्यक्ति हरदम किसी-न-किसी समस्या का रोना रोते हुए अपनी विफलताओं के लिए भाग्य को उत्तरदायी ठहराते हैं जो नहीं चाहते-

A. आत्मचिंतन करना B. आत्ममंथन करना

C. परिश्रम करना D. अध्ययन करना

05. उपरोक्त अनुच्छेद का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है-

A. हाथों की उँगलियाँ B. परिश्रम का महत्व

C. उँगलियों का महत्व D. जापानी उँगलियों का चमत्कार

निर्देश:-प्रस्तुत पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न संख्या 6-10 तक के लिए सही उत्तर का चयन करें।

हारा हूँ सौ बार, गुनाहों से लड़-लड़कर

लेकिन बारंबार लड़ा हूँ, मैं उठ-उठकर

इससे मेरा हर गुनाह भी मुझसे हारा

मैंने अपने जीवन को इस तरह उबारा

डूबा हूँ हर रोज़, किनारे तक आ-आकर

लेकिन मैं हर रोज उगा हूँ जैसे दिनकर

इससे मेरी असफलता भी मुझसे हारी

मैंने अपनी सुंदरता इस तरह सँवारी

06. कवि गुनाहों से सौ बार हारा है, लेकिन वह लड़ा है-

A. गिर-गिरकर B. उठ-उठकर C. भाग-भागकर D. छिप-छिपकर

07. कवि ने अपनी असफलताओं को पराजित किया है-

A. गुनाहों से लड़कर B. घायल होकर

C. विजय की कामना करके D. अनाचार का सामना करके

08. 'डूबा हूँ हर रोज़ किनारे आ-आकर' का अर्थ है कि कवि-

A. प्रतिदिन किनारे आकर डूब गया है

B. वह तैरना नहीं जानता

C. सफलताओं के समीप आकर भी असफल हुआ है

D. असफलताओं से नहीं घबराता

09. 'मैंने अपनी सुंदरता इस तरह सँवारी' पंक्ति द्वारा कवि के व्यक्तित्व की इस विशेषता का पता चलता है कि उसने विजय प्राप्त की है-

A. अपनी सुन्दरता नष्ट करके

B. अपनी सुन्दरता का ध्यान रखकर

C. अपनी सुंदरता को सँवारकर

D. हार न मानकर, लगातार संघर्ष करते हुए

10. 'दिनकर' शब्द का अर्थ है-

A. सूर्य B. चंद्रमा C. दिन D. रात

खंड-ख (व्याकरण)

11. 'प्रत्येक' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?

A. प B. प्रति C. प्रत D. प्र

12. 'चिकनाहट' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है?

A. हट B. चिकना C. आहट D. नाहट

13. 'सदैव' में कौन-सी संधि है?

A. व्यंजन B. स्वर C. विसर्ग D. इनमें से कोई नहीं

14. इनमें कौन स्वर संधि का उदाहरण है?

A. संयोग B. मनोहर C. नमस्कार D. पवन

15. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

A. दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार को संधि कहते हैं ।

B. संधि के तीन भेद हैं ।

C. स्वर संधि के पाँच भेद हैं ।

D. उपर्युक्त सभी कथन सही हैं ।

16. बढ़ती हुई आबादी ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू <u>कर दिया है</u>। रेखांकित पदबंध का प्रकार है-

A. संज्ञा पदबंध B. सर्वनाम पदबंध C. क्रिया पदबंध D. विशेषण पदबंध

17. 'महान' का विलोम शब्द क्या है?

A. अल्प B. नगण्य C. अनुचित D. क्षुद्र

18. दिए गए शब्दों में भिन्न अर्थ वाला शब्द है-

A. भास्कर B. रवि C. दिवाकर D. सुधाकर

खंड-ग (पाठ्यपुस्तक)

निर्देश:-प्रस्तुत पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न संख्या 19-23 तक के लिए सही उत्तर का चयन करें।

"विचार लो की मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,

मरो, परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।

हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,

मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।

वही पशु प्रवृत्ति है आप-आप ही चरे,

वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।”

19. इस पद्यांश के कवि कौन हैं?

A. कबीर B. मैथिलीशरण गुप्त C. सुमित्रानंदन पंत D. सीगराम संकसरिया

20. ‘मर्त्य’ का क्या अर्थ है?

A. मरा हुआ B. मरणशील C. कमज़ोर D. कायर

21. कवि कैसी मृत्यु को सुमृत्यु मानता है?

A. जो परोपकार में रत रहते हुए हो

B. जो मरने से पहले अपने परिवार को वैभवशाली बना दे

C. जो सांसारिक मोह-माया में बंधकर न हो ।

D. जो सांसारिक मोहमाया से दूर रहकर हो ।

22. अपना स्वार्थ साधने वाले व्यक्तियों को पशुओं के समान क्यों माना है?

A. क्योंकि ऐसे व्यक्तियों से पशु अच्छे होते हैं ।

B. क्योंकि मनुष्य इस सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी है ।

C. पशु भी केवल अपना ही पेट भरते हैं उनको दूसरों की चिंता नहीं होती ।

D. पशु एक निकृष्ट प्राणी होता है ।

23. हमारा मरना और जीना कब बेकार हो जाता है?

A. जब हमारी सुमृत्यु होती है ।

B. जब हमारी सुमृत्यु नहीं होती है ।

C. जब हम निर्धन रह जाते हैं ।

D. जब हम असहाय हो जाते हैं ।

निर्देश:- निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए ।

24. कौन अपना वेश पल-पल बदल रहा है?

A. पर्वत B. बादल C. प्रकृति D. वृक्ष

25. ताल की तुलना दर्पण से क्यों की गई?

A. क्योंकि ताल में दर्पण की तरह पर्वत को अपनी छवि दिखाई दे रही है ।

B. क्योंकि ताल दर्पण की तरह सुन्दर है ।

C. क्योंकि ताल का पानी साफ़ है ।

D. क्योंकि ताल में दर्पण की छवि सुंदर लग रही है ।

26. 'तरुवर' मन में क्या भाव लिए ऊपर उठ रहे हैं?

A. उच्चाकांक्षाओं का भाव B. नफरत का भाव

C. निराशा का भाव D. प्रतिस्पर्धा का भाव

27. 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता का सौन्दर्य किस पर निर्भर करता है?

A. अनेक शब्दों पर B. चित्रमयी भाषा पर

C. कविता की संगीतात्मकता पर D. शब्दों पर

28. कबीर की साखी में कस्तूरी को किसका प्रतीक बताया गया है?

A. प्रसन्नता का B. आनंद का C. परमात्मा का D. मूर्खता का

29. 'जब मैं था तब हरि नहीं' इस साखी में 'मैं' का क्या अर्थ है?

A. अहंकार B. निराशा भरे भाव C. प्रसन्नता D. मनुष्य

30. कबीरदास क्यों रोते हैं?

A. संसार की नश्वरता को देखकर B. संसार को परेशान देखकर

C. संसार के पापों को देखकर D. संसार में सुख-चैन समाप्त होने पर

31. उस प्राणी के बचने का कोई उपाय नहीं रहता जिसके शरीर में :-

A. विरह रुपी साँप घर कर जाता है। B. साँप सो जाता है ।

C. साँप खेलने लगता है । D. साँप क्रोधित हो जाता है ।

निर्देश:-प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न संख्या 32-36 तक के लिए सही उत्तर का चयन करें।

“टाइम टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात । पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती । मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हल्के-हल्के झोंके, फुटबॉल की वह उछल-कूद, कबड्डी के वह दाँव-घात, वॉलीबॉल की वह तेज़ी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता । वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फजीहत का अवसर मिल जाता । मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो । उनकी नज़र मेरी और उठी और मेरे प्राण निकले । हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती । फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खा कर भी खेलकूद का तिरस्कार न कर सकता था ।

32. प्रस्तुत गद्यांश के लेखक कौन हैं?

A. लीलाधर मंडलोई B. प्रह्लाद अग्रवाल C. सीताराम सेकसरिया D. प्रेमचंद

33. खेल के मैदान में जाते ही लेखक क्या भूल जाते थे?

A. मैदान की सुखद हरियाली B. हवा के हल्के-हल्के झोंके

C. फुटबॉल की वह उछल-कूद D. जानलेवा टाइम-टेबिल

34. छोटे भाई को खेलते देखकर बड़े भाई क्या करते थे?

A. उनका उत्साह बढ़ाते थे B. ताली बजाते थे

C. स्वयं भी खेलने लगते थे D. फजीहत करते थे

35. लेखक टाइम टेबिल की अवहेलना क्यों करता था?

A. मैदान की सुखद हरियाली और हवा के झोंके लेखक को बाहर आने के लिए मजबूर कर देते ।

B. टाइम टेबिल का पालन करने से बड़े भाई नसीहत देते ।

C. टाइम टेबिल का पालन नहीं करने पर उन्हें बड़े भाई से स्नेह और आत्मिक संतुष्टि मिलती थी ।

D. इनमें से कोई नहीं

36. इस गद्यांश के आधार पर लेखक की क्या छवि उभरती है?

A. लेखक समय के पाबंद नहीं थे

B. वे अपने द्वारा बनाए गए नियमों का भी पालन नहीं कर पाते थे

C. उनका स्वभाव चंचल था

D. उपरोक्त सभी

निर्देश:- निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए ।

37. लाठी चार्ज होने पर सुभाष बाबू से किससे कहा कि आप इधर आ जाइए?

A. मदालसा बजाज नारायण ने B. अविनाश बाबू ने

C. ज्योतिर्मय गांगुली ने D. पुरुषोत्तम राय ने

38. सुभाष बाबू जुलूस के समय क्या बोल रहे थे?

A. दिल्ली चलो दिल्ली दूर नहीं B. सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा

C. वंदे मातरम D. जय हिंद

39. 26 जनवरी 1931 के दिन का इतिहास में क्या महत्व है?

A. इस दिन को भारतवासियों ने दूसरे स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया था ।

B. इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था ।

C. इस दिन अंग्रेजों ने भारत की आज़ादी की घोषणा की थी ।

D. इस दिन भारत छोडो आंदोलन की शुरुआत हुई ।

40. सुभाष बाबू के जुलूस का भार किस पर था?

A. अविनाश बाबू पर B. जानकी देवी पर C. सीताराम सेकसरिया पर D. पूर्णोदास पर

*****